

नेपाल-भारत थकि टैंक शखिर सम्मेलन-2018

चर्चा में क्यों?

"नेपाल-इंडिया थकि टैंक शखिर सम्मेलन 2018" का आयोजन संयुक्त रूप से एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेवेलोपमेंट एंड इंटरनेशनल अफेयर्स (AIDIA) तथा नेहरू मेमोरियल म्यूजियम लाइब्रेरी (NMML) द्वारा 31 जुलाई, 2018 को पहली बार काठमांडू, नेपाल में किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन दोनों देशों के बीच अधिकाधिक सहयोग तथा ज्ञान साझा करने के साथ-साथ नीतिनिर्माताओं के बीच अंतराल को कम करने के लिये किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- शखिर सम्मेलन में भाग लेने वाले संगठनों को वार्षिक भागीदार बनाए जाने का प्रस्ताव है और यह शखिर सम्मेलन क्रमशः नेपाल तथा भारत में प्रत्येक वर्ष वैकल्पिक रूप से आयोजित किया जाएगा।
- नेपाल-भारत संबंध और क्षेत्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरते महत्त्वपूर्ण मुद्दे प्रत्येक वर्ष शखिर सम्मेलन के विशेष वषिय होंगे।

नेपाल-इंडिया थकि टैंक शखिर सम्मेलन 2018 का उद्देश्य

- दोनों देशों के थकि टैंक के बीच संयुक्त घटनाओं/प्रकाशनों के लिये संसाधनों के साझाकरण पर संस्थागत सहयोग के माध्यम से नेटवर्क और आपसी समझ को मजबूत करना।
- थकि टैंक के बीच सहयोग और ज्ञान साझाकरण को सुवर्धन बनाना।
- थकि टैंक के कार्यों को प्रतिलिपि करना तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना।
- चुँकनीतिनिर्माताओं को लगातार बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ता है तथा उन्हें आमतौर पर वर्तमान समय की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से मुकाबला करने के लिये मजबूर किया जाता है, इसलिये इस पर विचार करने और आगे की योजना बनाने के लिये आमतौर पर कम समय होता है।
- शखिर सम्मेलन का उद्देश्य नेपाल तथा भारत के संबंधों में बेहतर बदलाव लाने में थकि टैंक के महत्त्व को प्रदर्शित करना है।

थकि-टैंक के प्रतभागि

- नीतिनिर्माता
- सरकार के प्रतिनिधि
- राजनयिक मशिन
- शक्तिषावदि
- व्यापार कषेत्र
- मीडिया कर्मी, यह सभी सार्थक नषिकर्षों और सफिरशियों को आकर्षित करने के लिये खुले और तर्कसंगत संवाद में शामिल होंगे।

लक्ष्य

इस वर्ष के शखिर सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के थकि-टैंक के बीच बहुआयामी सहयोग के माध्यम से भारत और नेपाल द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाना है। शखिर सम्मेलन के अन्य प्राथमिक लक्ष्य हैं:

- भारत-नेपाल संबंधों को आकार देने में थकि-टैंक की भूमिका का पता लगाना।
- भाग लेने वाले थकि-टैंक के बीच संयुक्त आयोजनों को बढ़ावा देने और साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण का समर्थन करने के लिये अनुसंधान, प्रकाशन, सूचना साझा करना, मानव संसाधन और वित्त संबंधी सक्रिय सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- नेपाल और भारत के थकि टैंक तथा नीतिनिर्माताओं के सामने आने वाली संगठनात्मक और नीतित्गत चुनौतियों के समाधान के लिये बेहतर समझ हासिल करना।
- वर्तमान परिदृश्य में नेपाल और भारत के बीच राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा से संबंधित सबसे दबाव वाली नीतित्गत चुनौतियों तथा द्विपक्षीय मुद्दों की पहचान करना और पारस्परिक समावेशी द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिये इन चुनौतियों से निपटने के तरीके की खोज करना।

